सूरज को धरती पर उतारने की कवायद

हाल ही में बैंगलोर में आयोजित एक बैठक में कई प्रमुख वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि भारत को शीत संलयन के क्षेत्र में शोध कार्य फिर से शुरू करना चाहिए। तो पहले जान लिया जाए कि शीत संलयन चीज़ क्या है।

सूर्य जो ऊर्जा पैदा करता है वह हाइड्रोजन के परमाणुओं के आपस में जुड़कर हीलियम परमाणु बनने की क्रिया में मुक्त होती है। सूर्य पर यह क्रिया लाखों डिग्री सेल्सियस तापमान पर सम्पन्न होती है। यह वैज्ञानिकों का सपना रहा है कि इस क्रिया को सामान्य तापमान पर सम्पन्न किया जाए ताकि ऊर्जा की समस्या का स्थायी हल निकाला जा सके। मगर इस क्रिया को कम तापमान पर करवा पाना आसान नहीं रहा है।

सबसे पहले कमरे के तापमान पर इस क्रिया को करवाने की खबर संयुक्त राज्य के ऊटा विश्वविद्यालय के मार्टिन फ्लाइशमैन और स्टेनले पोन्स की प्रयोगशाला से 1989 में आई थी। तब इसे अत्यंत अविश्वसनीय माना गया था। उस समय भारत में भी शीत संलयन शोध जारी था और बताते हैं कि स्थिति आशाजनक थी। मगर किसी वजह से दुनिया भर में इसके विरुद्ध एक माहौल बना था और शोध रोक दिया गया था।

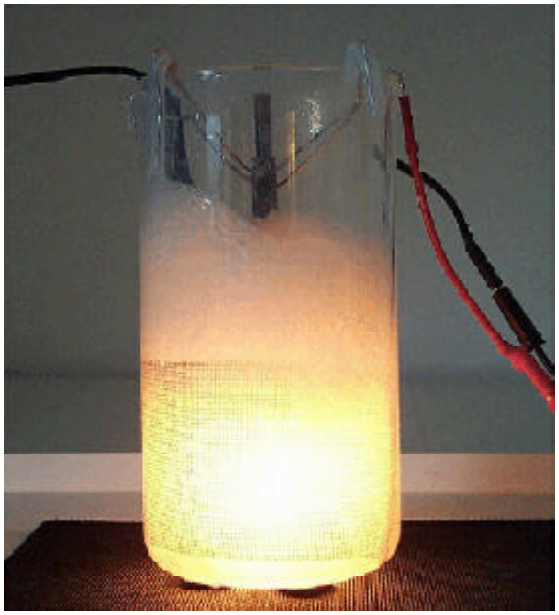

एक तो वैज्ञानिकों को बहुत शंका थी कि वास्तव में शीत संलयन संभव है भी या नहीं। इसके अलावा शोध के ठंडे बस्ते में जाने का एक कारण यह भी है कि उस समय अमरीका ने इसे बेकार घोषित कर दिया था।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के भूतपूर्व निदेशक पद्मनाभ कृष्णगोपाल आयंगर का मत है कि इस टेक्नॉलॉजी पर अनुसंधान रोककर हमने 15 साल गंवा दिए हैं मगर अभी बहुत देर नहीं हुई है। आयंगर स्वयं तो बैंगलोर की बैठक में उपस्थित नहीं थे मगर वहां मौजूद अधिकांश वैज्ञानिकों का मत लगभग ऐसा ही था। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ में जनवरी में आयोजित इस बैठक में देश भर के भौतिक शास्त्री, धातुकर्म विशेषज्ञ और विद्युत-रसायन विशेषज्ञ शामिल हुए थे।

इसी बीच हैदराबाद की एक निजी कंपनी पेंटाग्राम रिसर्च सेंटर ने शीत संलयन पर शोध में पैसा लगाने की इच्छा ज़ाहिर की है। वैज्ञानिकों का मत है कि यदि निजी उद्योग इस टेक्नॉलॉजी पर धन लगाने को तैयार है तो हमें ज़रूर आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पिछले वर्षों में अल्प ऊर्जा परमाण्विक क्रियाओं को लेकर समझ काफी बढ़ी है और आज हम इस पर आगे बढ़ने के लिए कहीं अधिक तैयार हैं।

ऊर्जा के वर्तमान संकट और भविष्य में इस संकट के और भयानक होते जाने के पूर्वानुमानों के मद्दे नज़र यह प्रस्ताव काफी आकर्षक व उत्साहवर्धक लगता है। *(स्रोत फीचर्स)*

स्रोत सजिल्द

एक वर्ष सजिल्द रुपए 200.00। डाक खर्च रुपए 25.00 अतिरिक्त ।